Chapter 10. विद्युत् धारा एवं इसका प्रभाव

अध्याय -समीक्षा

- विघुत चुंबक बहुत - सी युक्तियों में उपयोग किए जाते हैं|
- जब किसी तार से विघुत धारा प्रवाहित होती हैं, तो वह चुंबक की भांति व्यवहार करता हैं| इसे विघुत धारा का चुम्बकीय प्रभाव कहते हैं|
- कुछ विशेष पदार्था के बने तारों में से जब उच्च विधुत धारा प्रवाहित होती हैं, तो वे गर्म होने से पिघलकर टूट जाते हैं| इन पदार्था का उपयोग विघुत फ्यूज़ के निर्माण में किया जाता हैं, जि विघुत परिपथों को क्षति तथा आग से बचाते हैं|
- जब किसी तार से कोई विघुत धारा प्रवाहित होती हैं, तो वह तार तप्त हो जाता हैं| यह विघुत धारा का तापीय प्रभाव कहलाता हैं| इस प्रभाव के बहुत से अनुप्रयोग हैं|
- लिहे के किसी टुकड़े पर विघुत्रोधी तार से लिपटी विघुत धारावाही कुंडली को विघुत चुंबक कहते हैं|
- विधुत अवयवों को उनके प्रतीकों द्वारा निरूपित द्करना सुविधाजनक होता हैं| इनका उपयोग करके किसी विघुत परिपथ को परिपथ आरेख द्वारा निरूपित किया जा सकता हैं|

https://www.evidyarthi.in